वैक्सीनेशन: चलित वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

रतलाम। वैक्सीनेशन के लिए चलित वाहनों को कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया वाहन 14 तथा 15 सितंबर को रतलाम शहर में भ्रमण कर वैक्सीन सुविधा उपलब्ध कराएंगे।

रतलाम शहर में 14 सितंबर से दो दिवस तक 10 वाहन भ्रमण करेंगे ,नागरिकों को वैक्सीन सुविधा उपलब्ध कराएंगे ,वाहनों पर तैनात दलों द्वारा कोवीशील्ड वैक्सीन का प्रथम डोज लगाया जाएगा, कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम ने 14 सितंबर को दोपहर

नवीन कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री एम एल आर्य सीएमएचओ डॉ प्रभाकर ननावरे एसडीएम श्री अभिषेक गहलोत श्री गोविंद काकानी जिला टीकाकरण अधिकारी डॉक्टर वर्षा कुरील आदि उपस्थित थे वाहनों पर तैनात वैक्सीनेशन दल 14 तथा 15 सितंबर को देर रात्रि तक शहर में भ्रमण करके वैक्सीनेशन करेंगे।

स्वतंत्र रतलाम 15/9/21

वैक्सीनेशन के लिए चलित वाहनों को कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

रतलाम। रतलाम शहर में 14 सितंबर से दो दिवस तक 10 वाहन भ्रमण करेंगे, नागरिकों को वैक्सीन सुविधा उपलब्ध कराएंगे। वाहनों पर तैनात दलों द्वारा कोवीशील्ड वैक्सीन का प्रथम डोज लगाया जाएगा। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने 14 सितंबर को दोपहर नवीन कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर एम.एल.आर्य, सीएमएचओ डॉ. भाकर ननावरे, एसडीएम अभिषेक गहलोत, गोविंद काकानी, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. वर्षा कुरील आदि उपस्थित थे। वाहनों पर तैनात वैक्सीनेशन दल 14 तथा 15 सितंबर को देर रात्रि तक शहर में भ्रमण करके वैक्सीनेशन करेंगे।

राज एक्सप्रेस 15/9/21

21 व्यक्तियों पर स्पॉट फाईन की कार्रवाई की जा रही है

सर्वे के दौरान कई घरों में मिला डेंगू का लार्वा

रतलाम ■ राज न्यूज नेटवर्क

डेंगू की रोकथाम के लिए मुख्यमंत्री द्वारा विडियो कान्फ्रेंस में दिये निर्देश के बाद निगर द्वारा स्पॉट फाईन की कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर एवं निगम प्रशासक कुमार पुरूषोत्तम के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा दल गठित किया गया है। ये दल घर-घर जाकर सर्वे करेगा और डेंगू का लार्वा पाए जाने पर संबंधितों पर स्पॉट फाईन की कार्रवाई करेगा।

डेंगू के लार्वा पाए जाने पर किया गया स्पॉट फाईन

निगम के आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार पीएनटी कालोनी व मीरा कुटी क्षेत्र मे सर्वे के दौरान डेंगू के लार्वा पाए जाने पर स्पॉट फाईन की कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई मे विनोद कुमावत, दुर्गाबाई व संजय रावत पीएनटी कालोनी पर 500-500, चुन्नीलाल, देवप्रकाश, कन्हैयालाल, बी.एन. शर्मा, जब्बर खान, अफार खान, साजिद अली, अब्दुल शकुर, नोलकेजी, राकेन्द्र मरकाम, विरेन्द्र, आफिन पीएनटी कालोनी, महादेवी, अग्रातीजी, गोविन्द राम, सोनीबाई, अखिलेशव राधेश्याम मीरा कुटी पर 250-250 रूपये का स्पॉट फाईन झोन प्रभारी पर्वत हाडे द्वारा किया गया।

डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव हेतु अपने आस पास, गड्ढे मे पानी एकत्रित ना होने दें साथ ही कूलर का पानी नियमित रूप से बदले। पानी की टंकियों को खुला ना छोडें। खुले मटके, ड्रम, टायर इत्यादि में पानी एकत्रित ना होने दें। इसके अलावा अपने घरों से निकलने वाले कचरे को यहां-वहां, नाले-नालियों में न डालते हुए निगम के कचरा संग्रहण वाहन में ही डालें। अपने आसपास जल भराव की स्थिति पैदा न होने दें तभी हमारा शहर साफ-स्वच्छ व सुन्दर होने के साथ डेंगू तथा मलेरिया जैसी बीमारियों से मुक्त रह सकेगा।

राज एक्सप्रेस 15/9/21

यातायात समस्या • 9 महीने पहले शहर के चार बाजारों में ट्रैफिक सुधार के लिए किए प्रयास हो चुके हैं फेल, अब पॉर्किंग लाइन ना ही बैरिकेड्स

त्योहारी सीजन के बीच ना अतिक्रमण हटाया और न पार्किंग का इंतजाम, नतीजा शाम 7 से रात 9 बजे रोज लग रहा जाम

भास्कर संवाददाता | रतलाम

त्योहारी भीड़ और जाम से मुक्ति के लिए ट्रैफिक पुलिस ने शहर के तीन प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया है। इनमें श्रीराम मंदिर रोड, जावरा फाटक अंडरब्रिज और सैलाना बस स्टैंड शामिल है लेकिन ट्रैफिक पुलिस द्वारा यातायात सुधार के लिए की गई नई व्यवस्था जनता के लिए ही परेशानी बन गई है। वजह सड़कें संकरी और फुटपाथ पर कब्जा होने से नई व्यवस्था से बार-बार जाम की स्थिति बन रही है और वाहन फंस रहे हैं। शाम 7 से रात 9 बजे तक तो बार-बार जाम लग रहा है और लोगों को परेशान होना पड़ रहा है।

9 महीने पहले ट्रैफिक सुधार के लिए किए प्रयासों की बात करें तो ट्रैफिक पुलिस ने प्रयास किए थे। पॉर्किंग लाइन डाली थी और बैरिकेड्स लगाए थे लेकिन सड़कों पर हो रहे अतिक्रमण के कारण ये सारे प्रयास फेल साबित हुए थे।

शहर के तीन प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव चार पहिया वाहनों के लिए मुसीबत बना

कस्तूरबा नगर से सैलाना बस स्टैंड की तरफ जाने वाले वाहन सज्जन मिल गेट के सामने से मोड़ रहे हैं। फोर व्हीलर मोड़ने के दौरान जाम लग रहा है।

यातायात पुलिस ने सज्जन मिल रोड पर ट्रैफिक सुधार के लिए जवाहर नगर तिराहे पर बैरिकेड्स लगाकर प्रयोग किया है।

परेशानी : नई व्यवस्था में दूरी बढ़ी, सिर्फ टू-व्हीलर को ही मिल रही सहूलियत

1. कस्तूरबा नगर तिराहा- कस्तूरबा नगर की तरफ से श्रीराम मंदिर के लिए सीधे एंट्री बंद कर दी है। अब कस्तूरबा नगर की तरफ से आने वाले किसी वाहन चालक को श्री राम मंदिर या सैलाना बस स्टैंड की तरफ जाना है तो उसे पहले सज्जन मिल गेट की तरफ जाना होगा और सज्जन मिल तिराहे से वाहन मोड़ कर श्रीराम मंदिर पहुंचना पड़ता है। टू व्हीलर तो फिर भी आसानी से मुड़ जाते हैं लेकिन फोर व्हीलर फंस जाते हैं।

2. जवाहर नगर तिराहा- यहां अस्थायी बैरिकेड्स लगा दिए हैं। अब कस्तूरबा नगर से किसी को जवाहर नगर जाना है तो उसे भी सज्जन मिल गेट की तरफ जाकर गेट के सामने के तिराहे से होकर जवाहरनगर पहुंचना पड़ रहा है। वहीं जवाहर नगर से अलकापुरी जाना है तो उसे अपना वाहन कस्तूरबा नगर तिराहे से मोड़ना पड़ रहा है। इससे जाम लग रहा है।

3. जावरा फाटक अंडरब्रिज- अंडरब्रिज के आसपास भी बैरिकेड्स लगा दिए हैं। दिलबहार चौराहा से किसी जावरा फाटक अंडरब्रिज में जाना है तो उसे महू रोड पेट्रोल पंप से मुड़ना पड़ रहा है। यहां भी बड़े वाहनों को मोड़ने में दिक्कत आ रही है।

ये होना चाहिए

- सज्जन मिल गेट की तरफ वाहन पलटने के लिए व्यवस्था करना थी। यहां फुटपाथ बना रखा है लेकिन फुटपाथ पर दुकानें लग रही हैं। वहीं फुटपाथ पर वाहन पार्क ना करते हुए सड़क पर पार्क किए जा रहे हैं।
- कस्तूरबा नगर तिराहे पर भी यही हाल है। यहां फुटपाथ पर दुकानें लग रही हैं व वाहन पार्क हो रहे हैं। फुटपाथ खाली करवाकर यहां सही पार्किंग की व्यवस्था करने के बाद नई व्यवस्था लागू करना चाहिए।
- कस्तूरबा नगर तिराहे पर पहले ट्रैफिक सिग्नल लगाने के प्रयास हो चुके हैं। हालांकि अभी तक इस पर अमल नहीं हुआ है।

मौजूदा हाल यह

1. चांदनी चौक : आजाद चौक के आसपास और आजाद चौक से त्रिपोलिया गेट तक बैरिकेड्स लगाए थे। एक महीने में हट गए।
2. गणेश देवरी : ट्रैफिक सुधार के लिए इस चौराहे पर भी बैरिकेड्स लगाए थे और पॉर्किंग लाइन डाली थी। व्यवस्था खत्म
3. धानमंडी- धानमंडी में भी पार्किंग लाइन डाली थी और बैरिकेड्स लगाए थे लेकिन अब ना पॉर्किंग लाइन बची है और ना ही बैरिकेड्स बचे हैं।
4. कॉलेज रोड शहर का प्रमुख रोड है। यहां भी ट्रैफिक सुधार के लिए बैरिकेड्स लगाए थे लेकिन यहां भी ट्रैफिक सुधार के सारे प्रयास फेल हो गए।

ट्रैफिक सुधार के लगातार प्रयास कर रहे : ट्रैफिक टीआई मोनिका चौहान ने बताया कि ट्रैफिक सुधार के प्रयास कर रहे हैं। यातायात व्यवस्थित करने के लिए ही ये नई व्यवस्था लागू की है। ट्रैफिक सुधार के लिए जो भी सुझाव आ रहे हैं उस पर अमल कर रहे हैं। भास्कर

दै. भास्कर 15/9/21

बीमारी की जद में शहर: बाल चिकित्सालय में पहुंचे रिकॉर्ड संख्या में बाल मरीज, गंदगी पर नहीं जिम्मेदारों का ध्यान

1 दिन, 111 बच्चे भर्ती 20 को डेंगू बताया

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. जिले में डेंगु के बढ़ते मरीजों के बीच अब हालात इस कदर बेकाबू हो चुके हैं कि हर दिन बड़ी संख्या में मरीजों की पुष्टि होने लगी है। बाल चिकित्सालय की शुरुआत के बाद दूसरे ही दिन यहां पर रिकार्ड 111 मरीजों को भर्ती किया गया है जिनमें से 20 मरीज डेंगू के होना बताए जा रहे हैं। 2 दिन में ही बाल चिकित्सालय के भी सारे बेड फुल हो चुके हैं और एक बेड पर फिर से 2 बच्चों को भर्ती करने की नौबत आ गई है।

इतना ही नहीं इसके अतिरिक्त भी बच्चों की बढ़ती संख्या के कारण अब उन्हें जमीन पर लेटा कर परिजन उपचार करा रहे है। डेंगू के साथ मौसमी बीमारियों ने प्रशासन की तीसरी लहर से निपटने की जिला मुख्यालय पर की गई तैयारियों की पोल खोल कर रख दी है। प्रशासन द्वारा किए जा रहे तमाम दावे हवा हो रहे है और जिम्मेदार है कि बैठक और दिशा निर्देशों के बीच बीमारियों से लड़ने में जुटे हुए है।

डराने वाले हैं आंकड़े

दो दिन में बाल चिकित्सालय के वार्ड फुल होने के बाद अब यहां भी जगह कम पड़ने लगी है। 1 दिन में 111 मरीजों का भर्ती होना यह आंकड़ा डराने वाले है। यदि इसी दौरान जैसी संभावना जताई जा रही है, उसके मुताबिक कोरोना की तीसरी लहर की शुरुआत होती है तो हालातों से पार पाना प्रशासन ओर स्वास्थ्य विभाग के बस का नहीं रहेगा। क्योंकि तैयारी अभी दम भरती नजर नहीं आ रही है।

कलेक्ट्रोरेट में गंदगी, नहीं किसी की नजर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. प्रशासन चाहे लाख दिखावे कर ले लेकिन हकीकत उसके उलट ही नजर आ रही है। डेंगू से बचाव को लेकर तरह-तरह के आदेश जारी करने वाला प्रशासन अपने ही परिसर को साफ नहीं रख पा रहा है। कलेक्टर कार्यालय के बेसमेंट में जहां कर्मचारी वाहनों की पार्किंग करते हैं, वहां पानी हो रहा है। इतना ही नहीं यहां परिसर में दूसरे द्वार के पास भी कीचड़ और गड्ढे में पानी जमा है जिसमें मच्छर पनप रहे हैं।

अपने यहां की स्थिति को नजर अंदाज कर शहर में किस तरह से प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग डेंगू से लोगों को बचाएगे उसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है। डेंगू और मौसमी बीमारियों से बचने के लिए लोगों को स्वयं अब आगे आना होगा और किसी के भरोसे नही रहना होगा। क्योंकि हम यदि स्वास्थ्य विभाग के भरोसे रहे तो अस्पताल में तो पैर रखने तक की जगह नहीं बची है, ऐसे में हमारे साथ क्या होगा भगवान जाने।

आईटीआई की भी अनदेखी

शहर के अन्य सरकारी दफ्तरों के हाल भी बेहाल से ही नजर आ रहे हैं। आईटीआई परिसर में भी एक ही स्थान पर गड्ढे में तालाब जैसा पानी जमा हो गया है जिसके चलते वहां पर मच्छरों के साथ ही डेंगू का लार्वा पनपने की पूरी संभावना है। दरअसल डेंगू का लार्वा वैसे तो साफ पानी मे ही पनपता है। ऐसे में शासकीय विभाग अपने ही परिसर में जमा पानी से पार नहीं पा रहे हैं।

पत्रिका

पत्रिका 15/9/21

मायूस कर्मचारियों को उम्मीद अब खुलेंगे पदोन्नति के रास्ते

पदोन्नति में आरक्षण का फैसला अक्टूबर में आने की उम्मीद

भोपाल (राज्य ब्यूरो)। पांच साल साढ़े चार महीने से पदोन्नति की राह तक रहे मध्य प्रदेश के अधिकारियों-कर्मचारियों को सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से पदोन्नति का रास्ता खुलने की उम्मीद बंधी है। कोर्ट ने पदोन्नति में आरक्षण मामले की सुनवाई करते हुए मंगलवार को तय किया है कि पांच अक्टूबर से मामले की नियमित सुनवाई कर फैसला सुनाया जाएगा। इसे लेकर कर्मचारियों में खुशी है और भरोसा है कि इसी साल पदोन्नति के रास्ते खुल जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई लंबी चलने से पदोन्नति को लेकर परेशान कर्मचारी मायूस थे।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 30 अप्रैल 2016 को पदोन्नति में आरक्षण मामले का फैसला सुनाते हुए 'मप्र लोक सेवा (पदोन्नति) नियम 2002' खारिज कर दिया था। इसके बाद से प्रदेश में पदोन्नति पर रोक लगी है। इस अवधि में 40 हजार से ज्यादा कर्मचारी बगैर पदोन्नति सेवानिवृत्त हो गए। शुरू के दो साल तो कर्मचारियों पर भारी नहीं पड़े, क्योंकि सरकार ने सेवानिवृत्ति आयुसीमा दो साल बढ़ाकर 62 साल कर दी थी। इस कारण दो साल कोई भी कर्मचारी सेवानिवृत्त नहीं हुआ, पर मई 2018 से सेवानिवृत्ति का सिलसिला शुरू हुआ है और हर साल राजधानी से लेकर प्रदेशभर में छह से सात हजार कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इसे देखते हुए दोनों पक्षों (सामान्य और आरक्षित वर्ग) के अधिकारी-कर्मचारी सरकार से पदोन्नति शुरू करने की गुहार लगा चुके हैं। यहां तक कि कर्मचारी सशर्त पदोन्नति लेने को भी तैयार हैं। क्योंकि सेवा के अंतिम पड़ाव पर आकर भी पदोन्नति न मिलने से वे दुखी हैं। कई विभागों में तो ऐसे हालात हैं कि सामान्य वर्ग का कर्मचारी जिस पद पर नियुक्त हुआ था, उसी पद पर रहते हुए सेवानिवृत्त हो गया या होने वाला है। कर्मचारी नेता एमपी द्विवेदी का कहना है कि कर्मचारी मायूसी के साथ सेवानिवृत्त हो रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के लगातार सुनवाई कर फैसला सुनाने के निर्णय से उम्मीद बंधी है कि अब तो पदोन्नति मिल ही जाएगी।

40 हजार से ज्यादा कर्मचारी बिना पदोन्नति हो गए सेवानिवृत्त

07 हजार के करीब कर्मचारी हर साल हो रहे सेवानिवृत्त

कर्मचारी हो रहे सेवानिवृत्त, कामकाज हो रहा प्रभावित

उल्लेखनीय है कि पदोन्नति न मिलने के कारण सरकारी कामकाज भी प्रभावित हो रहा है। दरअसल, विभिन्न विभागों में वरिष्ठ पदों पर कार्यरत कर्मचारी सेवानिवृत्त हो गए हैं और उनसे कनिष्ठ कर्मचारियों को जिम्मेदारी तो सौंप दी है, पर पदनाम नहीं मिला है। इसलिए वे काम में मन नहीं लगा पा रहे हैं। जिसका असर कामकाज पर पड़ रहा है।

"सुप्रीम कोर्ट ने तय किया है कि अक्टूबर में मामले में लगातार सुनवाई कर फैसला सुनाया जाएगा। पदोन्नति की बाट जोह रहे कर्मचारियों में इससे उत्साह है। उन्हें उम्मीद बंधी है कि देर से ही सही पदोन्नति तो मिलेगी। योग्यता एवं वरिष्ठता होने के बाद भी पदोन्नति नहीं मिल रही है।

- केएस तोमर, अध्यक्ष, मप्र सामान्य, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग संस्था

फैसला क्या आएगा, यह तो समय पर पता चलेगा, पर सामान्य वर्ग को भी न्याय मिलेगा इसकी पूरी उम्मीद है। सरकार तो लगातार पक्षपात कर रही है। अगले महीने फैसला आने की उम्मीद ने ही कर्मचारियों को राहत पहुंचाई है। **- अरुण द्विवेदी**, हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता"

नईदुनिया 15/9/21

पदोन्नति में आरक्षण के मामले में पांच अक्टूबर से नियमित सुनवाई

भोपाल (राज्य ब्यूरो)। पदोन्नति में आरक्षण बरकरार रहेगा या नहीं, इसका फैसला अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में आ सकता है। सुप्रीम कोर्ट पांच अक्टूबर से इस मामले में नियमित सुनवाई करेगी। सभी राज्यों से दो सप्ताह के भीतर अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। जब तक अंतिम फैसला नहीं हो जाता है, तब तक यथास्थिति बरकरार रहेगी। यह व्यवस्था मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के बाद दी।

मप्र सरकार के विशेष अधिवक्ता मनोज गोरकेला ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि लगभग एक घंटे सुनवाई चली। सभी राज्यों ने अपना पक्ष रखा। कोर्ट ने कहा कि पांच अक्टूबर से इस मामले की नियमित सुनवाई की जाएगी। तीन न्यायाधीशों की पीठ मामला सुनेगी। राज्यों को इस मामले में अब जो कुछ भी कहना है, तो वह लिखित में देना होगा।

फैसले का इंतजार

- सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को एक घंटे तक चली सुनवाई में दी गई व्यवस्था
- सभी राज्यों को दो सप्ताह के भीतर लिखित पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश

40 हजार कर्मचारी बिना पदोन्नति के सेवानिवृत्त हो गए

प्रदेश में मई 2016 से पदोन्नति बंद है। मप्र हाई कोर्ट की मुख्य बेंच जबलपुर द्वारा मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम 2002 को निरस्त कर दिया गया था, जिसे मध्य प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उधर, इसकी वजह से अब तक लगभग 40 हजार कर्मचारी बिना पदोन्नति के सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

इसके लिए दो सप्ताह का समय दिया गया है। अब इस मामले में अंतिम निर्णय सुनाया जाएगा।

गंगासागर टंकी से जुड़े क्षेत्र में देरी से जल वितरण

मोरवानी फिल्टर प्लांट में 750 किलोवॉट का ट्रांसफॉर्मर जला

सुधार नहीं होने पर बगैर किराया तय किए इंदौर से मंगवाया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. शहर के लिए आने वाले पेयजल को जिस मोरवानी फिल्टर प्लांट में शुद्ध किया जाता है, वहां पर सोमवार - मंगलवार की मध्यरात्रि करीब 12.30 बजे 750 किलोवॉट का ट्रांसफॉर्मर जल गया। इससे शहर के गंगासागर पेयजल टंकी से जिन क्षेत्र में पेयजल वितरण होता था, वहां पर मंगलवार शाम तक पेयजल नहीं मिल पाया। अब बुधवार दोपहर बाद पेयजल वितरण होगा। पहले ट्रांसफॉर्मर को दुरस्त करने निर्णय लिया गया, जब यह कार्य नहीं हुआ तो ताबड़तोड़ इंदौर से किराए से मंगवाकर लगवाया गया। जो ट्रांसफॉर्मर किराए से मंगवाया गया, फिलहाल उसका किराया तय नहीं किया गया है। बता दे कि मोरवानी में 33केपी हाईटेंशन लाइन से बिजली कनेक्शन दिया हुआ है।

नगर निगम के मोरवानी स्थित फिल्टर प्लांट में देर रात ट्रांसफॉर्मर जल गया। अधिकारियों ने बताया इससे गंगासागर से लेकर राममंदिर क्षेत्र से जुड़ी करीब 20 से अधिक कॉलोनियों में पेयजल मंगलवार सुबह वितरीत नहीं हो पाया। निगम ने पेयजल वितरण नहीं होगा, इसके बारे में सूचना भी माइक से प्रसारित नहीं की। इन सब के बीच निगम के जलविभाग के इंजीनियर हनिफ शेख ने आयुक्त सोमनाथ झारिया से चर्चा करने के बाद अपने संबंध के आधार पर सुबह 11 बजे इंदौर से किराए से ट्रांसफॉर्मर बुलवाने का निर्णय लिया। दोपहर करीब 1 बजे बाद इंदौर से ट्रांसफॉर्मर निकला। शाम करीब 5 बजे रतलाम व 6 बजे इसको मोरवानी भेजा गया। अब इसको लगाने का कार्य बुधवार सुबह से होगा।

फिलहाल किराया तय नहीं

नगर निगम ने ट्रांसफॉर्मर तो किराए से बुलवा लिया है, लेकिन कितना किराया दिया जाएगा, फिलहाल यह तय नहीं हुआ है। निगम के आला अधिकारियों के अनुसार जरुरत होने पर ट्रांसफॉर्मर को बुलवाया है, लेकिन अब इसकी निविदा निकाली जाएगी। इसके बाद ही किराया तय होगा। फिलहाल जो ट्रांसफॉर्मर मंगवाया गया है, उसको लगाने की कार्रवाई शुरू की गई है।

पत्रिका 15/9/21

मौत के गड्ढे का मुहाना बंद

सफाईकर्मियों को सीवर में उतारने वाले जोन प्रभारी को किया निलंबित, होगी जांच

स्वास्थ्य प्रभारी की वेतन वृद्धि रोकी

खबर का असर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. दो सफाईकर्मियों को सीवर में उतारने के मामले में मंगलवार को बड़ी कार्रवाई हुई। नगर निगम के जोन प्रभारी को सस्पेंड कर दिया गया। स्वास्थ्य प्रभारी की वेतन वृद्धि रोकने के आदेश जारी किए गए हैं। पत्रिका ने सोमवार के अंक में यह मामला प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद नगर निगम आयुक्त ने कार्रवाई की है।

निगम आयुक्त करेंगे जांच: इधर, कलेक्टर ने नगर निगम के आयुक्त को मामले की जांच सौंपी है। वे सीवर लाइन कंपनी सहित अन्य पक्षों के बयान दर्ज कर जांच रिपोर्ट से कलेक्टर को अवगत कराएंगे।

यह था मामला

रतलाम के मोचीपुरा में रविवार को नगर निगम के अफसरों ने सफाईकर्मी संजय साजन और भरत कैलाश को गंदे पानी से भरे गड्ढे में उतार दिया था। निगमायुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर जोन प्रभारी किरण चौहान को निलंबित किया है। स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह की वेतन वृद्धि रोकने के साथ उन्हें नोटिस दिया है। कंपनी को भी तलब किया गया है।

पत्रिका

पत्रिका 15/9/21

झोन प्रभारी किरण चौहान निलंबित

रतलाम ● नगर निगम के झोन क्रमांक 2 के प्रभारी किरण चौहान व स्वास्थ्य अधिकारी ए.पी. सिंह द्वारा कार्य में लापरवाही बरतने पर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने झोन प्रभारी श्री चौहान को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया व स्वास्थ्य अधिकारी श्री सिंह को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया। झोन प्रभारी श्री चौहान का निलंबित काल में मुख्यालय जुलवानिया ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण केन्द्र रहेगा।

स्वदेश

स्वदेश 15/9/21

दो दिन तक दस वाहनों से चलित टीकाकरण होगा

नवीन कलेक्टोरेट परिसर में झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना करते हुए कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम। ●नईदुनिया

रतलाम। शहर में चलित वैक्सीनेशन की शुरुआत की गई। दस वाहनों पर तैनात दलों द्वारा कोवीशील्ड वैक्सीन का प्रथम डोज लगाया जाएगा। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने मंगलवार दोपहर नए कलेक्टोरेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया।

इस दौरान अपर कलेक्टर एमएल आर्य, सीएमएचओ डा. प्रभाकर ननावरे, एसडीएम अभिषेक गेहलोत, गोविंद काकानी, जिला टीकाकरण अधिकारी डा. वर्षा कुरील आदि उपस्थित थे। वाहनों पर तैनात वैक्सीनेशन दल 15 सितंबर को देर रात्रि तक शहर में भ्रमण करके वैक्सीनेशन करेंगे।

तीसरे अभियान में 55 हजार टीके का लक्ष्य

प्रदेश में कोरोना वैक्सीनेशन अभियान में प्रथम डोज के शत-प्रतिशत लक्ष्य के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म-दिवस 17 सितंबर को तीसरा महाअभियान प्रारंभ होगा। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि इसे सफल बनाने में सभी वर्गों का सहयोग लिया जा रहा है। 26 सितंबर तक वैक्सीन के प्रथम डोज का शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सभी तैयारियां की जा रही हैं। तीसरे अभियान में रतलाम जिले में 55 हजार प्रथम डोज लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

नईदुनिया 15/9/21

वैक्सीन से वंचित के लिए महाअभियान 3.0

रतलाम @ पत्रिका. कोविड-19 वैक्सीनेशन कार्य में गति लाने और वैक्सीन की प्रथम डोज से वंचित पात्र लोगों का शत-प्रतिशत टीकाकरण करने टीकाकरण महाअभियान 3.0 की शुरुआत होने जा रही है। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म-दिवस 17 सितंबर से तीसरा टीकाकरण महाअभियान के रूप में प्रारंभ होगा। इसके तहत जिले का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है।

पत्रिका 15/9/21

नया लक्ष्य : टीकाकरण महाअभियान 3.0

रतलाम को 55 हजार वैक्सीन, 10 वाहन घूम-घूम कर लगाएंगे वैक्सीन

रतलाम | वैक्सीनेशन महाअभियान 3.0 की शुरुआत होने वाली है। इसमें रतलाम को पहले दिन 55 हजार वैक्सीन मिलेगी।

जिले को 100% वैक्सीनेटेड करने पर काम चल रहा है। शुरुआत 17 सितंबर से ही होने वाली है। इस दिन एक साथ 55 हजार से ज्यादा लोगों को टीके लगाने का लक्ष्य तय है। जिले में शहरी क्षेत्र में 93 प्रतिशत टीकाकरण हो गया है वहीं जावरा में 93 प्रतिशत से ज्यादा टीकाकरण हो चुका है। आलोट में 85 प्रतिशत, रतलाम ग्रामीण में 83 प्रतिशत वैक्सीनेशन हुआ है।

बारिश में भी लगाई वैक्सीन : शहर में दो दिन तक 10 वाहन शहर में भ्रमण करेंगे। वाहनों पर तैनात दल कोविशील्ड वैक्सीन का पहला डोज लगाएगा। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने मंगलवार को न्यू कलेक्टोरेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया। मंगलवार को बारिश के बीच भी दल ने टीके लगाए।

दै.भास्कर 15/9/21

डेंगू : लार्वा नष्ट करने घर-घर पहुंचा अमला

299 पॉजिटिव मिले, एलाइजा से जांच शुरू नहीं, 106 घरों में मिला लार्वा

रतलाम | हमारे जिले में अब तक 299 केस पॉजिटिव आ चुके हैं। सर्वे के लिए जा रही टीमों को घर-घर लार्वा भी मिल रहा है। मंगलवार को टीम ने 106 घरों में लार्वा नष्ट किया। इधर बुधवार से विशेष जागरुकता अभियान की शुरुआत भी होगी।

एलाइजा किट से जांच ही नहीं हो पा रही है। इधर मंगलवार को 4 दल के 28 सदस्यों ने शहर में सर्वे किया, टीम के सदस्य 672 घरों में पहुंचे, जिसमें से 106 घरों में डेंगू का लार्वा मिला।

आज से विशेष जागरुकता अभियान, विधायक करेंगे शुरुआत : डेंगू को लेकर शहर में विशेष जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। इसकी शुरुआत बुधवार को शहर विधायक चेतन्य काश्यप करेंगे। इसमें मच्छरों को कम करने के लिए गतिविधियां होंगी। सुबह 10 बजे नगर निगम से रैली निकाली जाएगी, इसे विधायक चेतन्य काश्यप हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

दै.भास्कर 15/9/21

वैक्सीन के प्रथम डोज का शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने टीकाकरण महाअभियान 3.0

प्रसारण न्यूज • रतलाम

जिले में 55 हजार टीकाकरण का लक्ष्य

प्रदेश में कोविड-19 वैक्सीनेशन कार्य में गति लाने और वैक्सीन की प्रथम डोज से वंचित पात्र लोगों का शत-प्रतिशत टीकाकरण करने टीकाकरण महाअभियान 3.0 चलाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म-दिवस 17 सितंबर को तीसरा टीकाकरण महाअभियान प्रारंभ होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि टीकाकरण महाअभियान को सफल बनाने में सभी वर्गों का सहयोग लिया जा रहा है। प्रदेश में 26 सितंबर तक वैक्सीन के प्रथम डोज का शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के लिये सभी तैयारियां की जा रही हैं।

जिलेवार निर्धारित किया लक्ष्य

संचालक एनएचएम (टीकाकरण) डॉ. संतोष शुक्ला ने कोविड टीकाकरण महाअभियान 3.0 में पहले दिन 32 लाख 90 हजार टीके लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एनएचएम संचालक (टीकाकरण) द्वारा दी गई जानकारी अनुसार कोविड टीकाकरण महाअभियान 3.0 में धार जिले को 2 लाख, इंदौर को 1 लाख 65 हजार, सतना को 1 लाख 45 हजार, उज्जैन 1 लाख 43 हजार, भोपाल 1 लाख 21 हजार, सागर 1 लाख 19 हजार 700, छिंदवाड़ा 1 लाख 4 हजार 700, रीवा 1 लाख, खरगोन 96 हजार 300, ग्वालियर 94 हजार 300, भिंड 88 हजार, शिवपुरी 84 हजार 400, मुरैना 83 हजार 100, विदिशा 77 हजार, देवास 75 हजार, मंदसौर 69 हजार 900, बालाघाट 66 हजार, बैतूल 66 हजार, छतरपुर 65 हजार 900, रायसेन 65 हजार 300, राजगढ़ 64 हजार 300, बड़वानी 62 हजार 100, सिवनी 61 हजार 900, जबलपुर 60 हजार, सिंगरौली 56 हजार 100, सीधी 55 हजार 700, टीकमगढ़ 55 हजार 600, कटनी 55 हजार, रतलाम 55 हजार, खंडवा 52 हजार 700, शहडोल 49 हजार 600, होशंगाबाद 48 हजार 100, सीहोर 47 हजार 500, दमोह 44 हजार, नरसिंहपुर 42 हजार, पन्ना 41 हजार 600, मंडला 38 हजार 500, गुना 36 हजार 700, बुरहानपुर 34 हजार 100, झाबुआ 32 हजार 300, अशोकनगर 31 हजार 600, अलीराजपुर 29 हजार, दतिया 28 हजार 100, शाजापुर 27 हजार 600, डिंडौरी 25 हजार 700, उमरिया 24 हजार 700, हरदा 22 हजार, श्योपुर 22 हजार, नीमच 22 हजार, अनूपपुर 20 हजार और आगर जिले के लिये लगभग 15 हजार का लक्ष्य दिया गया है।

एन एच एम संचालक (टीकाकरण) ने बताया कि अब तक एक दिन में सर्वाधिक 28 लाख 50 हजार कोविड-19 टीके लगाने का रिकॉर्ड है। टीकाकरण महाअभियान 3.0 में 32 लाख 90 हजार टीके लगाने का नया रिकॉर्ड होगा।

प्रसारण

प्रसारण 15/9/21

डेंगू के मरीजों को चढ़ाने पड़ रहे प्लेटलेट्स

मेडिकल कालेज में 110 मरीज, सभी की एंटीजन रिपोर्ट पाजिटिव

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। मेडिकल कालेज के अस्पताल में मंगलवार को 110 मरीज भर्ती रहे और सभी की एंटीजन जांच रिपोर्ट में डेंगू पाजिटिव निकला है। इनमें बीस मरीज 14 से 16 साल की उम्र के हैं। बुधवार को पांच मरीजों को प्लेटलेट्स चढ़ाना पड़ी। गंभीर बात यह है कि 15 से 20 मरीज ऐसे भी हैं, जिन्हें दो से तीन बार प्लेटलेट्स चढ़ानी पड़ी है। प्रतिदिन पांच से दस मरीजों प्लेटलेट्स की जरूरत पड़ रही है।

लगातार बढ़ते मामलों के बीच जिला अस्पताल की लैब में एलाइजा टेस्ट किट नहीं होने के कारण चार दिन से टेस्ट नहीं हो रहे हैं। इसलिए सरकारी तौर पर जिले में डेंगू के मरीज 292 मरीज ही हैं और इसी आधार पर यह दावा किया जा रहा है कि डेंगू नहीं मौसमी बुखार फैला है। अस्पतालों में उपचार कर रहे डाक्टर दावा करते हैं कि 90 प्रतिशत मरीजों में डेंगू निकल रहा है और उसका उपचार किया जा रहा है। मेडिकल कालेज के डेंगू वार्ड के प्रभारी डा. महेंद्र चौहान ने बताया कि मंगलवार को 110 मरीज भर्ती है, इनमें सभी में डेंगू के लक्षण हैं और एंटीजन जांच में पुष्टि भी हो रही है।

प्लेटलेट्स के नाम से घबराने की जरूरत नहीं : जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डा. आनंद चंदेलकर ने बताया कि हम एंटीजन जांच की रिपोर्ट के आधार पर उपचार दे रहे हैं। एक लाख 50 हजार प्लेटलेट्स होने पर भी प्लेटलेट्स चढ़वा रहे हैं, जबकि यह सामान्य स्थितिहोती है। घबराने की जरूरत नहीं है, डेंगू के अलावा और भी कई कारण से प्लेटलेट्स कम होते हैं। एलाइजा टेस्ट की किट नहीं आई है, लेकिन एंटीजन जांच बराबर हो रही है। जिला अस्पताल के साथ मेडिकल कालेज में भी उपचार दिया जा रहा है। डेंगू के साथ मौसमी बुखार के मरीज भी बढ़े हैं। ओपीडी में प्रतिदिन दो हजार से अधिक मरीज आ रहे हैं। सभी को उपचार मिल रहा है।

जिला अस्पताल में पर्ची बनवाने के लिए लगी महिला-पुरुषों की कतार। •नईदुनिया

जिले में डेंगू की स्थिति

जनवरी से आज तक एलाइजा टेस्ट

संख्या	1234
पाजिटिव रिपोर्ट	292
स्वस्थ हुए मरीज	266
निगेटिव रिपोर्ट	935
आज सर्वे किए गए वार्ड	07
आज सर्वे किए घरों की संख्या	672
लार्वा मिला	106
अब तक सर्वे किए गए घर	1588

(आंकड़े- स्वास्थ्य विभाग अनुसार)

आज से शुरू होगा डेंगू प्रहार अभियान

शहर में डेंगू प्रहार अभियान बुधवार से शुरू होगा। सुबह 10 बजे से नगर निगम भवन पर अभियान का शुभारंभ शहर विधायक चेतन्य काश्यप करेंगे। डेंगू से बचाव व नियंत्रण की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए जागरूकता रैली की शुरुआत नगर निगम से होगी। रैली नगर निगम से कालेज रोड, लोकेंद्र टाकीज, शहर सराय, धानमंडी, लोहार रोड, शहीद चौक, सैलाना बस स्टैंड, राम मंदिर, अलकापुरी, इंद्रलोक नगर, जवाहर नगर, लक्ष्मणपुरा, पीएनटी कालोनी, डाट की पुल, दो बत्ती चौराहा, टीआइटी रोड, गीता मंदिर रोड, पुराने कलेक्टोरेट आफिस तक जाएगी।

नईदुनिया 15/9/21

'द्वारका' से कर्मचारियों की समस्या को लेकर डीआरएम हुए सख्त

मनमर्जी का निर्माण

द्वारका रेसीडेंसी का गड़बड़झाला

द्वारका रेसीडेंसी मामले में कलेक्टर को देंगे जानकारी

रतलाम. द्वारका रेसीडेंसी का निर्माण करने वालों की उलझन बढ़ती जा रही है। इस मामले में रेल मंडल प्रबंधक विनीत गुप्ता द्वारा इंजीनियरिंग विभाग से करवाई जांच की रिपोर्ट आ गई है। जांच रिपोर्ट के बाद अब आने वाले दिनों में डीआरएम गुप्ता कलेक्टर को इसकी जानकारी देने वाले है। बताया जाता है कि जांच रिपोर्ट में सैलाना यार्ड के कर्मचारियों को जो समस्या निर्माण के बाद हुई है उसके बारे में बताया जाएगा।

बता दे कि लीज की भूमि को क्रय करके द्वारका रेसीडेंसी का निर्माण किया गया है। इस मामले में हुई एक शिकायत के बाद कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने जांच बिठाई थी। इसकी जांच रिपोर्ट के आधार पर नगर निगम को अतिक्रमण तोड़ने को कहा गया था। हालाकि निगम के अधिकारी अतिक्रमण तोडने के बजाए द्वारका रेसीडेंसी के बाहर लोहे के एंगल लगाकर आ गए व इससे इसकी सुंदरता निगम के अधिकारियों ने बढ़ा दी है। अब तक जिस भूमि पर अतिक्रमण करके निर्माण किया गया था, वो कायम है।

अब बताएंगे परेशानी

डीआरएम गुप्ता को जो रिपोर्ट मिली है उसमे आम रास्ते का उल्लेख किया गया है। इस रास्ते का उपयोग सैलाना यार्ड के कर्मचारी करते है। अब इन कर्मचारियों को जो समस्या हो रही है उसके बारे में मंडल रेल प्रबंधक गुप्ता कलेक्टर कुमार को बताएंगे। इसके बाद बड़ा एक्शन हो सकता है। पत्रिका

इधर संगठन की नाराजगी कायम

इधर रेल संगठन वेस्टर्न रेलवे एम्प्लाइज यूनियन के पदाधिकारियों की नाराजी कायम है। संगठन के सहायक मंडल मंत्री नरेंद्रसिंह सौलंकी के अनुसार अब तक सख्त निर्णय नहीं लिया गया है, जबकि कर्मचारियों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अगर एक सप्ताह में इस संबंध में निर्णय नहीं हुआ तो रेल कर्मचारियों के साथ बड़े आंदोलन के बारे में निर्णय लेना पड़ेगा।

पत्रिका 15/9/21

कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए पहले से शुरू कर दी तैयारी : भूपेंद्र सिंह

प्रसारणन्यूज • भोपाल

प्रदेश में बढ़ रहे कोरोना के मामलों को लेकर नगरीय विकास एवं आवास विभाग के मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर को लेकर सरकार ने पहले से ही तैयारी शुरू कर दी थी। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में आक्सीजन प्लांट लगाए गए हैं। बिस्तरों की संख्या बढ़ाई गई है। बच्चों के अलग वार्ड बनाए गए हैं। डाक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती चल रही है।

भूपेंद्र सिंह मीडिया से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी सतर्कता बरतने को कहा है। सरकार की कोशिश है कि सितंबर के आखिर तक पहला और अक्टूबर के बीच तक दूसरे डोज का लक्ष्य पूरा कर लिया जाए। डेंगू की रोकथाम के लिए मुख्यमंत्री खुद निकलेंगे और लोगों को जागरूक करेंगे।

जनदर्शन यात्रा पर कांग्रेस के आरोपों पर कहा कि जनदर्शन यात्रा वही कर सकते हैं जो जनता के बीच में लोकप्रिय हो। शिवराज जी प्रदेश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं और इसीलिए उनके जनदर्शन यात्रा में हजारों लोग शामिल होते हैं। कांग्रेस नेताओं को फुर्सत मिले तब वे जनता के बीच में जाएं। वे तो ड्राइंग रूम पालिटिक्स करते हैं। उन्होंने कभी जमीनी राजनीति नहीं की है। प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन के कांग्रेस के आरोपों पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सपने देखने से कोई भी नहीं रोक सकता है।

पुलिस हिरासत में खंडवा और खरगोन जिलों में हुई मौतों पर भूपेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। जांच की जा रही है। नगरीय निकाय चुनाव में आरक्षण के मामले पर स्पष्ट किया कि मामला सुप्रीम कोर्ट में है। वहां से निर्णय आने के बाद सरकार आगे की कार्रवाई करेगी।

प्रदेश में कोरोना से मृत्य व्यक्तियों के स्वजन को अनुग्रह सहायता की राशि अब तक नहीं मिली है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना महामारी से मृत्य व्यक्तियों के स्वजन को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की थी। यह आरोप पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने लगाया है।

पूर्व मुख्यमंत्री द्वाराजारी बयान में कहा गया कि सरकार ने वाहवाही लूटने के लिए घोषणाएं तो करती हैं पर उन्हें पूरा करने के लिए गंभीरता नहीं दिखाती है। मई 2021 में कोरोना महामारी से मृत व्यक्तियों के स्वजन को एक लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की गई थी लेकिन अब तक इसका स्वरूप ही तय नहीं हुआ है।

सरकार कुप्रबंधन की वजह से हुई मृत्यु की वजह कोरोना मानने के लिए तैयार नहीं है। जबकि, सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना महामारी की वजह से मृत्यु के मामलों में सहायता राशि देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सरकार से मांग की है कि कोरोना से मृत व्यक्तियों के स्वजन के प्रति सहानुभूति दिखाते हुए शपथ पत्र के आधार पर ही सहायता राशि वितरित कराई जाए।

महाराजा कालेज का छत्रसाल विश्वविद्यालय में संविलियन का निर्णय वापस लें– उन्होंने प्रदेश सरकार से छतरपुर के 130 साल पुराने महाराजा कालेज का महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में संविलियन करने के निर्णय को वापस लेने की मांग की है। स्थानीय नागरिक इस फैसले के खिलाफ हैं, इसलिए निर्णय वापस लिया जाए।

प्रसारण

प्रसारण 15/9/21

निगम ने जारी किए नोटिस: नोटिस में लिखा अवैधानिक हुआ था पंजीयन, अब 5 लाख रुपए से अधिक लौटाएंगे

सुभाष कॉम्प्लैक्स: पूर्व में हुआ 50 दुकानों का पंजीयन अब किया निरस्त

एक्सक्लूसिव

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. नगर निगम से वर्ष 18 दिसंबर 2000 में महू रोड बस स्टैंड पर बनाए गए सुभाष शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में 50 पूर्व ग्राहकों का पंजीयन निरस्त कर दिया है। इसकी बकायदा सूचना जारी कर दी है। ऐसा इसलिए किया गया है, क्योंकि वर्तमान दर पर इनको निगम बिक्री करने के लिए प्रयासरत है। 102 में से 99 दुकानें इस समय खाली है। बड़ी बात यह है कि पूर्व में पंजीयन निगम के ही तत्कालीन अधिकारियों ने किया था, अब उसको अवैधानिक करार दे दिया गया है। अब निगम करीब 5 लाख रुपए से अधिक पूर्व के रुपए लौटाएगा।

नगर निगम ने तत्कालीन समय 2000में इस मार्केट का निर्माण किया था। इसके बाद विवाद में यह योजना चली गई थी। 2012-2013 व 2016-2017 में इस मार्केट की दुकानों की बिक्री करने का प्रयास किया गया, लेकिन निगम को सफलता नहीं मिल पाई। अब वर्तमान निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया एक बार फिर से 102 में शेष रही 99 दुकानों की बिक्री करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके पूर्व ही पूर्व में जिन ग्राहकों ने इन दुकान को लेने के लिए पंजीयन कराते हुए राशि जमा की थी, उन सभी करीब 50 को नोटिस जारी कर दिए गए है।

नियम का उल्लेख

नगर निगम ने जो नोटिस जारी किए है लिखा गया है कि दुकान पंजीयन की कार्रवाई में मप्र नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 80 व इस अधिनियम के अंतर्गत अचल संपत्ति का अंतरण नियम 1996 में वर्णित प्रावधान का पालन नहीं तत्समय नहीं किया गया। नियम के खिलाफ पंजीयन किया गया था, इसके चलते वो कार्रवाई अवैधानिक व अनियमित पाई जाती है। इसलिए तत्काल पूर्व में किया गया पंजीयन निरस्त किया जाता है।

यह है फैक्ट फाइल

कुल 102 दुकान	पूर्व में बिक्री हुई 03 दुकान
न्यूनतम कीमत 32 लाख	शेष रही दुकान जिनकी बिक्री होना है 99 दुकानों की
अधिकतम कीमत 35 लाख	

पूर्व में जो पंजीयन हुआ, उसमे पारदर्शिता के नियम का पालन नहीं हुआ। पूर्व के पंजीयन निरस्त करके रसीद दिखाने पर रुपए वापस दिए जाएंगे।

- कुमार पुरुषोत्तम, कलेक्टर व नगर निगम प्रशासक

पत्रिका।

पत्रिका 15/9/21

93 टन कचरा जुलवानिया ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंचाया

रतलाम। नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार नगर निगम के कचरा संग्रहण वाहनों के माध्यम से घर-घर से पृथक-पृथक एकत्रित किया जा रहे गीले-सूखे कचरे, सड़कों व नाले-नालियों की सफाई के दौरान निकलने वाले कचरे का प्रतिदिन वजन कर जुलवानिया ट्रेंचिंग ग्राउंड पर पहुंचाया जा रहा है। इसके तहत मंगलवार को 93 टन कचरा जुलवानिया ट्रेंचिंग ग्राउंड पर पहुंचाया गया। डंपर व ट्रैक्टर-ट्राली से 46500, काम्पेक्टर सूखा कचरा 31650, काम्पेक्टर गीला कचरा 14970 कुल 93120 किलो कचरा जुलवानिया ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंचाया गया।

दो दिन का वेतन काटा

रतलाम। राम मंदिर के सामने सैलाना रोड के निरीक्षण के दौरान डिवाइडर पर चार मवेशी बैठे पाए जाने पर मवेशी पकड़ने वाली गैंग के कर्मचारियों का दो दिन का वेतन काटा गया। गैंग के कर्मचारी चरणसिंह-भारतसिंह, कैलाश-नंदलाल, हीरालाल-गबरू, मेहफूज-काले खां, पूनमचंद-रतन, कमलेश-त्रिलोकचंद, राधेश्याम-भंवर, रामू-राजू व संजय-सत्यनारायण का दो दिन का वेतन काटकर सेवा से बर्खास्त किए जाने का सूचना पत्र जारी किया गया।

नईदुनिया 15/7/18

3.0 महाअभियान : जिले में 55 हजार टीकाकरण का लक्ष्य

रतलाम। कोविड-19 वैक्सीनेशन कार्य में गति लाने और वैक्सीन की प्रथम डोज से वंचित पात्र लोगों का शत-प्रतिशत टीकाकरण करने टीकाकरण महाअभियान 3.0 चलाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म-दिवस 17 सितंबर को तीसरा टीकाकरण महाअभियान प्रारंभ होगा।

▸ वैक्सीन के प्रथम डोज का शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने टीकाकरण

अभियान के तहत जिले में भी वैक्सीनेशन का कार्य किया जाएगा। इसको लेकर प्रशासन स्तर पर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। प्रशासन द्वारा महाअभियन 3.0 में लगभग 55 हजार टीकाकरण करने का लक्ष्य तय किया गया हैं। अभियान की सफलता के लिए जिले के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जा रही हैं। सूत्रों के अनुसार अभियान की सफलता के लिए कलेक्टर द्वारा जल्द ही बैठक लेकर अधिकारियों की जिम्मेदारी और दायित्व तय किया जाने की जानकारी मिली हैं।

बनाए जाएंगे विशेष केन्द्र

सूत्रों अनुसार अभियान को सफल बनाने के लिए जिलेभर में विशेष केन्द्र बनाये जाने का लेकर निर्णय लिया जा रहा हैं। अभियान में कोविड-19 वैक्सीनेशन कार्य में गति लाने और वैक्सीन की प्रथम डोज से वंचित पात्र लोगों का शत-प्रतिशत टीकाकरण करने टीकाकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

वैक्सीनेशन चलित वाहनों को लेकर ने दिखाई हरी झंडी

शहर में 14 सितंबर से दो दिवस तक 10 वाहन भ्रमण करेंगे, नागरिकों को वैक्सीन सुविधा उपलब्ध कराएंगे। वाहनों पर तैनात दलों द्वारा कोवीशील्ड वैक्सीन का प्रथम डोज लगाया जाएगा। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने 14 सितंबर को दोपहर नवीन कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एम.एल.आर्य, सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर ननावरे, एसडीएम अभिषेक गहलोत, गोविंद काकानी, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. वर्षा कुरील आदि उपस्थित थे। वाहनों पर तैनात वैक्सीनेशन दल 14 तथा 15 सितंबर को देर रात्रि तक शहर में भ्रमण करके वैक्सीनेशन करेंगे। नवभारत

नवभारत 15/9/21

डेंगू के लार्वा मिला, 21 पर स्पॉट फाईन

रतलाम। नगर निगम द्वारा दल गठित किये जाकर घर-घर सर्वे किया जाकर डेंगू के लार्वा पाये जाने पर संबंधितों पर स्पॉट फाईन की कार्यवाही की जा रही है। पीएनटी कालोनी व मीरा कुटी क्षेत्र में सर्वे के दौरान डेंगू के लार्वा मिला दल को विनोद कुमावत, दुर्गाबाई व संजय रावत पीएनटी कालोनी पर 500-500, चुन्नीलाल, देवप्रकाश, कन्हैयालाल, बीएन शर्मा, जबर खान, अफार खान, साजिदा अली, अब्दुल शकुर, नोलकेजी, राकेन्द्र मरकाम, विरेन्द्र, आफिन पीएनटी कालोनी, महादेवी, अरातीजी, गोविन्द राम, सोनीबाई, अखिलेश व राधेश्याम मीरा कुटी पर 250-250 रूपये का स्पॉट फाईन झोन प्रभारी पर्वत द्वारे द्वारा किया गया। नवभारत

नवभारत 15/9/21

गर्भवती महिलाओं को पांच जगह लगेंगे टीके

रतलाम,नप्र। कोविड-19 के तहत टीके लगाए जाने का काम रतलाम में बेहत्तर ढंग से चल रहा है। टीके का काम शत-प्रतिशत रूप से पूरा करने के लिए कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशन में अभियान चल रहा है।

रतलाम शहर में पहले टीका लगाने वाली गर्भवती महिलाओं के लिए आज अलग-अलग जगह पांच जगह टीके लगाए जाने का इंतजाम किया है जहां डाक्टर भी मौजूद रहेंगे। गर्भवती महिलाएं इन वैक्सीनेशन सेंटर पर पहुंचकर टीके लगवा सकती है। एसडीएम रतलाम शहर अभिषेक गेहलोत ने बताया कि गर्भवती महिलाओं के टीके लगाने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को भी निर्देशित किया है। प्रभात. 14

प्रभातकिरण 14/9/21

अनुमति के बिना मुख्य सड़कों के किनारे निर्माण को तोड़ेगा निगम

15 हजार रुपए प्रति घंटे के मान से तोड़ने की राशि होगी वसूल

15/9/21

रतलाम ● शहर की मुख्य सड़के सैलाना रोड, सागोद रोड, महू रोड, स्टेशन रोड सहित अन्य सड़कों के किनारे नगर निगम की बिना अनुमति के निर्माण प्रारंभ पाए जाने पर उन्हें तोड़ने की कार्रवाई निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार गठित दलों के द्वारा प्रारंभ की जा रही है ,साथ ही संबंधितों से 15 हजार रुपए प्रति घन्टे के मान से तोड़ने की राशि वसूल की जाएगी। निगम आयुक्त ने नगर निगम के गठित दलों को निर्देशित किया है। शहर की मुख्य सड़कों के किनारे नगर निगम की बिना अनुमति निर्माण प्रारंभ पाए जाने पर संबंधितों से 15 हजार रुपए प्रति घन्टे के मान से तोड़ने की राशि वसूल की जाए। नगर निगम द्वारा बिना अनुमति के निर्माण तोड़ने की कार्रवाई की जा रही है। नागरिकों से अपील है कि वे अनुमति के बिना निर्माण कार्य ना करें।

काव्य गोष्ठी संपन्न-शिवगढ़। पाठक मंच सैलाना की मासिक बैठक में काव्य गोष्ठी का आयोजन भी किया गया । पाठक मंच सैलाना के केंद्र संयोजक देवेंद्र वाघेला द्वारा मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी द्वारा संचालित पाठक मंच की जानकारी दी।

स्वदेश 15/9/21